एक नजर में

पांच बहनों का लाड़ला भाई दुर्घटना में चल बसा

मंडलेश्वर, निप्र। मंडलेश्वर के प्रतिष्ठित अधिवक्ता स्वर्गीय राजनाथ पाटीदार के पुत्र और जिला न्यायालय की अधिवक्ता सुश्री रितु पाटीदार के भाई एडवोकेट स्वस्तिक पाटीदार (28 वर्ष) का शनिवार की शाम हुई एक सड़क दुर्घटना मे दु:खद मृत्यु हो गई। वे अपनी पांच बहनो मे एकलौते भाई थे जो इंदौर हायकोर्ट मे प्रेक्टिस कर रहे थे।वे इंदौर से विकेण्ड पर अपने स्कूटर से महू जामघाट होते गृह नगर मंडलेश्वर लौट रहे थे वे मंडलेश्वर के नजदीक ग्राम ढापला तक़ पहुंचे और एक मोड़ पर अचानक सामने से आ रही बाइक से टकरा गए आमने सामने की इस टक्कर मे स्वस्तिक को सिर पर गंभीर चोट लगने से उन्हें अत्यधिक रक्त स्त्राव हुआ घायल अवस्था मे उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मंडलेश्वर लाया गया लेकिन उन्हें नहीं बचाया जा सका। रविवार सुबह उनकी शवयात्रा घंटा घर एम जी रोड से निकली जिसमे उनकी बहनो ने भी अपने लाडले भाई को कंधा देकर अंतिम विदाई दी। अंतिम संस्कार मुक्तिधाम नर्मदा घाट पर किया गया जहाँ उनकी छोटी बहन ने मुख़ाग्नि दी।

परशुराम जन्मोत्सव पर किया प्राकट्य उत्सव कार्यक्रम, नपाध्यक्ष भी हुए शामिल

बड़वाह, निप्र। रविवार अक्षय तृतीया पर भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव विप्र समाज ने पारंपरिक रूप से मनाया। सर्व ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में नागेश्वर मार्ग पर स्थित उद्यान में प्राकट्य उत्सव कार्यक्रम हुआ। सुबह 9 बजे वेदपाठी पंडितों ने विशेष पूजन व हवन किया। पं. हरिनारायण शर्मा,पं. फणींद्र अत्रे, पं.गिरजाशंकर अत्रे एवं पं.संतोष शर्मा के आचार्यत्व में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन हुआ। इस अवसर पर नपाध्यक्ष राकेश गुप्ता,भाजपा नगर मण्डल अध्यक्ष अंकित गुप्ता,महिम ठाकुर भी शामिल हुए। उन्होंन महासभा अध्यक्ष रघुनंदन शर्मा के साथ परशुराम जी की प्रतिमा का दुग्धभिषेक किया।महिला मंडल अध्यक्ष भारती व्यास, युवा वाहिनी अध्यक्ष पीयूष शर्मा,पंकज पाठक,विजय व्यास,नवनीत शर्मा,महेंद्र शर्मा,संजय उपाध्याय,सचिन शर्मा,रोहित डालुका,हर्षिल व्यास,आयुष शर्मा सहित समाजजनों ने आहुतियां दी।दोपहर में महाआरती हुई।अंत में प्रसादी वितरण किया गया।

शाम को शोभायात्रा निकली, जगह जगह हुआ स्वागत:- शाम 6 बजे नागेश्वर मंदिर परिसर में भगवान परशुराम जी की अष्टधातु से बनी प्रतिमा एवं चित्र के पूजन,अर्चन एवं आरती के पश्चात शोभायात्रा प्रारंभ हुई। इसी तरह श्वेत वस्त्र धारण कर मस्तक पर त्रिपुंड लगाए पुरुषजन,केशरिया एवं पीतवर्ण साड़ी पहने शोभायात्रा में सम्मिलित हुई7 परशुराम जी की प्रतिमा विद्युतलड़ीयो से सुसज्जित वाहन में विराजित थी। वेदपाठी ब्राह्मणों के दल ने यात्रा मार्ग पर शंखध्वनी कर ऊर्जा का संचार किया।विभिन्न मार्गो से होते हुए शोभायात्रा कवर कॉलोनी साईं मंदिर पीछे पहुंची।यहाँ सभी समाजजनो ने भगवान परशुराम की सामूहिक आरती की।इसके बाद के लिए सामूहिक भोज का आयोजन भी किया गया।जिसमे सभी समाजजनो ने सम्मिलित होकर भोजन प्रसादी ग्रहण की।

पुलिस ने बैंक और एटीएम की देखी सुरक्षा व्यवस्था पारदी, कंजर गैंग से अलर्ट रहने की दी हिदायत

खरगोन, निप्र। प्रदेश के सिंगरोली जिले में हुई बैंक लूट की घटना को दृष्टिगत रखते हुए जिले की पुलिस भी अलर्ट हो गई है। एसपी के निर्देश पर जिले के सभी थानाक्षेत्रों में संचालित हो रही बैंक, एटीएम के साथ ही सराफा की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बैंक पहुंचकर बैंक की सुरक्षा व्यवस्था को देखने के साथ ही आवाजाही करने वाले लोगों से भी पूछताछ की। इस चेकिंग के दौरान पुलिस टीम के द्वारा बैंक परिसर एवं एटीएम के सीसीटीव्ही कैमरों को चेक किया। बैंक अधिकारियों सहित गार्ड को बैंक व एटीएम के आस - पास घूमने वाले संदिग्ध व्यक्ति पर नजर रखने के निर्देश दिए गए। पूर्व में हुई घटनाओं में आम जन को नगदी निकासी व उसे लाने ले जाने में विशेष सावधानी व सतर्कता रखने की समझाईश भी दी गई। पुलिस के द्वारा बाजारों मे इस समय लगातार पेट्रोलिंग, संध्याकालीन भ्रमण, फ्लैग मार्च/एरिया डॉमिनेशन आदि की कार्यवाही भी लगातार की जा रही है। एसपी ने बताया त्यौहारों के समय पारदी, सांसी, ईरानी, कंजर आदि गैंग के सदस्य सक्रिय हो जाते है। यह पलक झपकते ही बेग, झोले, पर्स आदि को काटकर रूपए चुराने में माहिर होते है। व्यापारी व किसानों के द्वारा बैंक से नगद राशि निकालने के बाद पीछा कर उनका ध्यान भटका कर चोरी कर ले जाते है। बैंक के सिक्युरिटी गार्डों को भी इस प्रकार के संदिग्ध व्यक्तियों पर पैनी नजर रखने, बिना काम के बैंक में घूमने वाले संदिग्धों की सूचना पुलिस को देने की हिदायत दी गई।

1 मई को मनाई जाएगी बुद्ध जयंती

खरगोन, निप्र। महाकारुणिक बुद्ध विहार में आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 1 मई 2026 को महामानव गौतम बुद्ध की जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। कार्यक्रम का आयोजन शाम 5 :30 बजे किया जाएगा। महाकारुणिक बुद्ध विहार के कोषाध्यक्ष हुकुम कोचले ने जानकारी देते हुए बताया कि 19 अप्रैल 2026 को खरगोन स्थित बुद्ध विहार में बैठक संपन्न हुई, जिसमें सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। जयंती के अवसर पर एक भव्य वाहन रैली निकाली जाएगी, जो महाकारुणिक बुद्ध विहार से प्रारंभ होकर डायवर्शन रोड, राधावल्लभ, पोस्ट ऑफिस चौराहा, टीआईटी कॉम्प्लेक्स, गायत्री मंदिर होते हुए पुन: डायवर्शन रोड से बीटीआई रोड, कपास मंडी, आनंद नगर होते हुए वापस बुद्ध विहार पहुंचकर समापन करेगी। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आयोजकों ने अधिक से अधिक लोगों से शामिल होने की अपील की है। इस अवसर पर पूनमचंद गांगले, संजीव कुमार, अधिवक्ता श्याम कुमार गांगले, शंकरलाल अटोडे, भारत गांगले, संतोष गाडगे, संतोष पगारे, शंकर गांगले, यशवंत गांगले, कुणाल गांगले, मुकेश रोखड़े, खुशियाल अमोदे, बिनोद अड़तिया, प्रकाश सागौर, रमेश मनागरे, निर्मल पंवार, कमल मालसे, गजेंद्र मंशारे, गठिया मंशारे, मोहित गांगले, अधिवक्ता विजय गांगले, अधिवक्ता आशीष सोनी, अधिवक्ता ऋषभ गांगले, उमेश रोखड़े, कमलेश रोखड़े, शिवराम नागराज सहित अनेक लोगों ने कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया।

सायबर क्राइम-ट्रैफिक नियमों की दी जानकारी

पुलिस ने बाल विवाह, महिला सुरक्षा सहित अन्य कानून के संबंध में किया जागरूकता कार्यक्रम

नवभारत न्यूज

कसरावद, निप्र। पुलिस महानिरीक्षक इंदौर जोन (ग्रामीण) अनुराग के निर्देशानुसार, बाल विवाह, महिला सुरक्षा, साइबर क्राइम एवं यातायात नियमों के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस अधीक्षक जिला खरगोन रवींद्र वर्मा और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रा.) शकुंतला रुहल के मार्गदर्शन में जिले के समस्त थाना प्रभारी एवं चौकी प्रभारियों को कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए।

एसडीओपी मंडलेश्वर श्वेता शुक्ला के मार्गदर्शन और थाना इंचार्ज उप निरीक्षक महेश यादव के नेतृत्व में थाना क्षेत्र में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 300-350 नागरिक महिला, पुरुष एवं बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कसरावद कस्बा कृषि उपज मंडी, नावड़ा तोड़ी, ग्राम बोरावां, ग्राम मूलठान, ग्राम हीरापुर, ग्राम बडगांव, कसरावद जेल रोड, छोटी कसरावद एवं बस स्टैंड कसरावद में नागरिकों को निम्नलिखित विषयों पर जानकारी दी गई।

'गुड टच-बैड टच':- साइबर अपराध, महिला अपराध, बाल विवाह, दहेज प्रताड़ना, यातायात नियमों का पालन एवं सडक दुर्घटनाओं से बचाव पॉक्सो एक्ट सहित अन्य कानूनी प्रावधान बच्चों को निर्देश दिया गया कि यदि वे किसी प्रकार के दुर्व्यवहार या असुरक्षित स्थिति का सामना करें, तो वे तुरंत नजदीकी थाना या संबंधित अधिकारी को सूचित करें। पुलिस हेल्पलाइन 112, साइबर हेल्पलाइन 1930, महिला हेल्पलाइन 1090 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 का उपयोग करने के तरीके भी बताए गए। इस अभियान का उद्देश्य नाबालिगों के खिलाफ अपराधों पर नियंत्रण पाना, गुमशुदा बच्चों को सुरक्षित पुन: मिलवाना और समाज में बच्चों की सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना है। पुलिस विभाग का यह प्रयास बच्चों की सुरक्षा और अपराध रोकथाम में एक ठोस कदम है।

हत्या के आरोपी को भीकनगांव पुलिस ने किया गिरफ्तार

भीकनगाव, निप्र। पुराने विवाद की रंजिश में राह चलते युवक पर पथराव के बाद लाठी डंडों से पिटाई कर युवक करने सेयुवक की हुई मौत मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार 14 अप्रैल को ग्राम भातलपुरा का रविंद्र मजदूरी कर अपनी पंचर दुकान पर बैठा था, जहां उसका मित्र जमनालाल भी आ गया।

कुछ समय पश्चात वह एवं उसका मित्र जमनालाल प्रितम वाली गली से जा रहे थे, तभी ग्राम बंझर निवासी जयेश पिता अशोक द्वारा अचानक उन पर पथराव कर दिया। इसके बाद जयेश डंडा लेकर आया और पुराने विवाद के कारण जमनालाल पर जानलेवा हमला करते हुए उसके सिर एवं कान पर प्रहार किया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और खून बहने लगा। इसके बाद उपचार के दौरान जमनालाल की मृत्यु हो गई। सूचना पर थाना भीकनगांव में जांच शुरू की गई। पीएम रिपोर्ट में डॉक्टर द्वारा मृत्यु का कारण सिर में लगी गंभीर चोट के कारण होना बताया, जिसके आधार पर जयेश पिता अशोक के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया। आरोपी जयेश को ग्राम बंझर में दबिश देकर घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में जयेश पिता अशोक दांगोडे ने उक्त हत्या को कारित करना स्वीकार किया। 13 अप्रैल की शाम उसका रविन्द्र एवं जमनालाल के साथ विवाद हुआ था, जिसमें तीनों के बीच मारपीट हुई। इस रंजिश में उसने दूसरे दिन हमला किया था। उक्त कार्रवाई एसडीओपी भीकनगांव राकेश आर्य, थाना प्रभारी भीकनगांव निरीक्षक नीरज सारवान के नेतृत्व में की गई।

मारवाड़ी महिला मंडल ने जरूरतमंद बेटी के विवाह में दिया उपहार

खरगोन, निप्र। मारवाड़ी महिला समिति मध्य प्रदेश ने एक बेटी के विवाह के लिए कन्यादान स्वरूप गृहस्थी का सामान भेंटकर विवाह को यादगार बना दिया। अध्यक्ष किरण अग्रवाल ने बताया कि सेवा सहयोग एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को आगे बढ़ते हुए एक सहायिका की पुत्री के विवाह के अवसर पर जाजू निवास में उसे कन्यादान स्वरूप आवश्यक सामग्री भेट की गई।

इसमें समिति सदस्यों ने मिलकर बर्तन, कपड़े उपयोगी वस्तुओं के साथ नगद राशि भेंट की। यह कन्यादान बहुत ही पुण्य एवं श्रेष्ठ दान है। सचिव रिंपल गोयल ने कहा यह सिर्फ वस्तुओं का दान नहीं, बल्कि एक बेटी के नए सुखद जीवन में सहयोग और आशीर्वाद देने का कार्य है। इस अवसर पर राधा अग्रवाल, मोना अग्रवाल, पुष्पा जाजू, उमा सोमानी, नीलू जैन, श्यामा अग्रवाल मौजूद थे।

इक्षु रस से आहार कर मनाई गई अक्षय तृतीया, सनावद में हुए विशेष आयोजन

सनावद, निप्र। वैशाख शुक्ल तृतीया को जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव (आदिनाथ) द्वारा राजा श्रेयांस के यहां प्रथम इक्षु रस का आहार लेने की स्मृति में अक्षय तृतीया पर्व श्रद्धा से मनाया गया।

प्रवक्ता सन्मति जैन काका ने बताया कि इस पावन अवसर पर प्रात: दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर, आदिनाथ छोटा मंदिर, सुपार्श्वनाथ जैन मंदिर,णमोकार धाम मंदिर एवं पोदनपुरम में धर्मावलंबियों द्वारा पंचामृत व जलाभिषेक किया गया। इसके पश्चात सामूहिक पूजन का आयोजन हुआ। इस अवसर पर आदिनाथ छोटा मंदिर जी मे समाजनों के द्वारा आदिनाथ मंडल विधान रचाया गया। तत्पश्चात बड़े मंदिर के समकक्ष महिला महासमिति के द्वारा आदिनाथ मुनि को पढ़गाहन कर संध्या सुनील जैन के निवास पर सभी समाजजनों के द्वारा शुद्ध इक्षु रस से आहार दान देकर आहार करवाया। मान्यता है कि भगवान ऋषभदेव ने एक वर्ष के उपवास के बाद हस्तिनापुर में राजा श्रेयांस से इक्षु रस का आहार ग्रहण किया था। उसी दिन से जैन धर्म में आहार दान की परम्परा शुरू हुई। इस दिन मुनि को आहार देने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है, इसलिए यह तिथि अक्षय तृतीया कहलाती है। सभी को ज्ञात है की भगवान ऋषभनाथ ने ही विवाह-संस्था की शुरुआत की और प्रजा को पहले-पहले असि, मसि, कृषि, विद्या, शिल्प और वाणिज्य-व्यापार के लिए प्रेरित किया। इसके पूर्व तक प्रजा की सभी जरूरतों को क्लपवृक्ष पूरा करते थे। उनका सूत्र वाक्य था-'कृषि करो या ऋषि बनो।' ऋषभनाथ ने हजारों वर्षों तक सुखपूर्वक राज्य किया फिर राज्य को अपने पु?त्रों में विभाजित करके दिगम्बर तपस्वी बन गए। उनके साथ सैकड़ों लोगों ने भी उनका अनुसरण किया। जब कभी वे भिक्षा मांगने जाते, लोग उन्हें सोना, चांदी, हीरे, रत्न, आभूषण आदि देते थे, लेकिन भोजन कोई नहीं देता था।

इस प्रकार, उनके बहुत से अनुयायी भूख बर्दाश्त न कर सके और उन्होंने अपने अलग समूह बनाने प्रारंभ कर दिए। यह जैन धर्म में अनेक सम्प्रदायों की शुरुआत थी। अत: आदिनाथ को एक वर्ष तक भूखे रहना पड़ा। इसके बाद वे अपने पौत्र श्रेयांश के राज्य हस्तिनापुर पहुंचे। श्रेयांस ने उन्हें गन्ने का रस भेंट किया जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। वह दिन आज भी 'अक्षय तृतीया' के नाम से प्रसिद्ध है। इस अवसर, संतोष संगीता बाकलीवाल परिवार हेमचंद मंजुला भूच परिवार ,राजेन्द्रकुमार हीरामणी भूच परिवार के द्वारा इक्षु रस (गन्ने के रस) की प्रभावना वितरण की।

भगवान श्री परशुरामजी के प्राकट्य दिवस पर हुआ सहस्त्रार्चन व महाआरती

खरगोन, निप्र। सहस्त्र औदीच्य ब्राह्मण समाजजनों ने रविवार को नूतन नगर स्थित संस्कार शिक्षालय में भगवान श्री परशुराम जी का प्राकट्य दिवस श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया। कार्यक्रम के दौरान समाजजनों ने भगवान परशुरामजी का पुष्पों से सहस्त्रार्चन कर पूजा-अर्चना की तथा महाआरती में सहभागिता की। पूजन विधि पंडित जगदीश ठक्कर, पंडित गोविंद ठक्कर एवं पंडित हरीश शर्मा ने संपन्न कराई। इसके पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष सुभाष ठक्कर ने कहा कि भगवान श्री परशुराम जी के आदर्श समाज को धर्म और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। ऐसे आयोजन समाज में एकता और संस्कारों को मजबूत बनाते हैं। इस दौरान सुरेंद्र ठक्कर, अनिल ठक्कर, राजू ठक्कर, जयंत ठक्कर, नीरज ठक्कर, नवीन जोशी, राजेश ठक्कर, संजय ठक्कर, राजू व्यास, कुलदीप ठक्कर, योगेश ठक्कर, प्रफुल्ल जोशी, संजय ठक्कर, रेखा ठक्कर, स्वाति ठक्कर, शोभा ठक्कर, दीपा ठक्कर, वर्षा ठक्कर, मधु ठक्कर, शीतल ठक्कर, पूनम जोशी, रमा ठक्कर, दीपाली ठक्कर, सुरभि ठक्कर सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

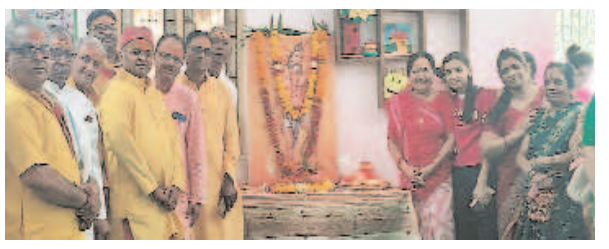

निमाड़ के लाल का होगा सम्मान

खरगोन, निप्र। देश की सेवा में 24 वर्षों तक समर्पित जीवन बिताने वाले सैनिक कमलेश भाई पटेल के सम्मान में 03 मई को ग्राम राजपुरा-खेड़ा में भव्य सैनिक सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

कमलेश पटेल ने अप्रैल 2002 में भारतीय सेना में रायफलमैन पद से अपनी सेवाओं की शुरुआत की थी। लखनऊ में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उन्होंने देश के कई दुर्गम एवं संवेदनशील क्षेत्रों जैसे द्रास-कारगिल, पूंछ-राजौरी, डोडा-किस्तवाड़, लेह-लद्दाख, अरुणाचल प्रदेश एवं सिक्किम (डोकलाम बॉर्डर) में तैनात रहकर राष्ट्र की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अपनी कर्तव्यनिष्ठा, साहस और उत्कृष्ट सेवा के चलते उन्हें समय-समय पर तीन पदोन्नतियाँ प्राप्त हुईं और वे हवलदार पद तक पहुंचे। सेवा काल के दौरान उन्हें कई मेडल एवं पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया, जो उनके समर्पण और बहादुरी का प्रमाण है। 24 वर्षों की गौरवपूर्ण सेवा पूर्ण करने के बाद कमलेश पटेल 01 मई 2026 को सेवानिवृत्त होंगे। इस अवसर पर उनके सम्मान में आयोजित समारोह को विशेष बनाने हेतु उनके परिवार के साथ-साथ ह्युमेनिटी यूथ मंडल राजपुरा, खरगोन एवं समस्त ग्रामवासी सहयोग कर रहे हैं। ग्राम राजपुरा-खेड़ा में आयोजित यह सम्मान समारोह क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण होगा, जहां निमाड़ के इस वीर सपूत को पूरे सम्मान और गर्व के साथ अभिनंदन किया जाएगा।

टाटा वाहन से चार गौवंश बरामद अवैध परिवहन करते दो गिरफ्तार

खरगोन, निप्र। थाना महेश्वर क्षेत्र में हो रहे गौवंश तस्करी का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वाहन से 4 गौवंश बरामद किए गए है।

चौकी काकड़दा पुलिस से मिली जानकारी अनुसार टाटा ऐस वाहन क्रमांक एमपी 11 जी 6058 को ग्राम काछीकुआ पुलिया के पास से रोका गया। रोके गए वाहन में बैठे चालक ने अपना नाम राधेश्याम पिता पातल्या निवासी गोपालपुरा टंकीपुरा हाटपिपल्या थाना हाटपिपल्या जिला देवास इसके साथ वाहन में माधोसिंह पिता रतना मालवीय निवासी गोपालपुरा हाटपीपल्या जिला देवास भी सवार था। वाहन की तलाशी लेने पर वाहन में 4 गौवंश भरे पाए गए। परिवहन के संबंध में दस्तावेज या लाइसेंस नहीं बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर वाहन जब्त कर लिया।

एक नजर में

इस दुर्लभ दृश्य को देखकर लोगों में उत्सुकता बढ़ गई और कई नागरिकों ने इसे अपने मोबाइल कैमरों में किया कैद

सूर्य के चारों ओर बना अद्भुत प्रभामंडल, आकाश में दिखा दुर्लभ खगोलीय नजारा

नवभारत न्यूज

खरगोन, निप्र। शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में शुक्रवार को आसमान में एक अनोखा और आकर्षक दृश्य देखने को मिला, जिसने लोगों को कुछ पल के लिए ठहरने पर मजबूर कर दिया। दोपहर के समय सूर्य के चारों ओर एक विशाल गोलाकार चमकदार घेरा दिखाई दिया। इस दुर्लभ दृश्य को देखकर लोगों में उत्सुकता बढ़ गई और कई नागरिकों ने इसे मोबाइल कैमरों में कैद किया।

विशेषज्ञों के अनुसार यह प्राकृतिक घटना (सुन हालो) कहलाती है। यह एक ऑप्टिकल (दृश्य) घटना है, जो पृथ्वी के वायुमंडल में विशेष परिस्थितियों के कारण उत्पन्न होती है।

कैसे बनता है यह प्रभामंडल:- वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह घटना तब होती है जब आसमान में लगभग 20,000 फीट या उससे अधिक ऊँचाई पर मौजूद पतले सिरस (Cirrus) बादलों में बर्फ के अत्यंत सूक्ष्म षट्कोणीय (he&agonal) क्रिस्टल मौजूद होते हैं। जब सूर्य की किरणें इन क्रिस्टलों से गुजरती हैं, तो वे अपवर्तन (Refraction) और परावर्तन (Reflection) की प्रक्रिया से मुड़ जाती हैं। इसी कारण सूर्य के चारों ओर लगभग 22 डिग्री के कोण पर एक गोलाकार रिंग बनती है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में '22-डिग्री हेलो' कहा जाता है। इस रिंग के किनारों पर हल्का इंद्रधनुषी प्रभाव भी देखा जा सकता है, क्योंकि अलग-अलग तरंगदैर्घ्य (wavelength) की रोशनी अलग-अलग कोणों पर मुड़ती है।

कम ही देखने को मिलता है ऐसा दृश्य

विशेषज्ञों का कहना है कि हालांकि यह एक प्राकृतिक घटना है, लेकिन हर दिन इस प्रकार का स्पष्ट और पूर्ण गोलाकार प्रभामंडल दिखाई देना सामान्य नहीं है। इसके लिए वायुमंडलीय परिस्थितियों का बिल्कुल अनुकूल होना आवश्यक होता है।

मौसम परिवर्तन का संकेत:- मौसम विज्ञानियों के अनुसार इस प्रकार का प्रभामंडल अक्सर मौसम में बदलाव का संकेत देता है। आमतौर पर यह आने वाले 12 से 24 घंटों में बादल छाने या हल्की बारिश होने की संभावना को दर्शाता है, क्योंकि सिरस बादल किसी बड़े मौसम तंत्र (weather system) के अग्रदूत माने जाते हैं।

लोगों में उत्साह और जिज्ञासा:- इस अद्भुत दृश्य को देखने के लिए कई लोग घरों से बाहर निकल आए और खुले स्थानों पर खड़े होकर इस प्राकृतिक घटना का आनंद लिया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने इसे एक दुर्लभ नजारा बताते हुए आश्चर्य व्यक्त किया। सोशल मीडिया पर भी इस दृश्य की तस्वीरें और वीडियो तेजी से साझा किए गए।